जिस्मानी रिश्तों की चाह -35

“मैंने आपी की टाँगों को खुलता महसूस कर लिया था और उनकी चूत से बहते पानी ने भी मुझे यह समझा दिया था कि अब आपी का दिमाग उनकी चूत के कंट्रोल में आ गया है.. ...”

Story By: zooza ji (zoozaji)
Posted: मंगलवार, जुलाई 19th, 2016
Categories: भाई बहन
Online version: जिस्मानी रिश्तों की चाह -35

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जिस्मानी रिश्तों की चाह -35

सम्पादक जूजा

मैंने आपी को आँख मारते हुए बाथरूम की तरफ आँख से इशारा करते हुए हाथ ऐसे हिलाया जैसे मैं आपी को बता रहा होऊँ कि हनी के सीने के उभार कितने मस्त हो गए हैं।

हनी जब तौलिये में लिपटी बाहर निकली थी.. तो उसके गीले बाल और भीगा ज़िस्म बहुत सेक्सी लग रहा था।

तौलिये में हनी के सीने के उभार काफ़ी बड़े दिख रहे थे और जब वो वापस जाने के लिए मुड़ी थी.. तो उसके चूतड़ों की शेप भी वज़या हो रही थी और वो 3-4 क़दम ही भागी थी.. लेकिन मैंने हनी के कूल्हों का मटकना पहली बार गौर से देखा था.. जो बहुत दिलकश मंज़र था।

हनी के नंगे बाज़ू और नंगी पिण्डलियाँ.. बालों से बिल्कुल साफ और आपी की ही तरह शफ़्फ़ थीं.. बस ये था कि उसका रंग थोड़ा दबता हुआ था या फिर ये कहना ज्यादा मुनासिब है कि आपी के मुक़ाबले में वो साँवली नज़र आती थी।

हनी का क़द तकरीबन 4 फीट 10 इंच था और उसका जिस्म भारी-भरकम नहीं था.. बल्कि वो दुबली-पतली सी थी.. लेकिन सीने के उभार आपी से थोड़े छोटे और साइज़ में 32सी के थे, कूल्हे ना ही बहुत ज्यादा बड़े थे और ना ही बहुत छोटे.. बस मुनासिब थे।

उसकी चाल कुदरती तौर पर ही ऐसी थी कि वो चलती थी.. तो उसकी टांग दूसरी टांग को क्रॉस करते हुए पाँव ज़मीन पर पड़ता था.. बिल्कुल बिल्ली की तरह और खुद बा खुद ही उसके छोटे क्यूट से कूल्हे मटक से जाते थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने अपनी इन्हीं सोचों के साथ गुसल किया और नाश्ते की टेबल पर ही लैपटॉप अब्बू के हवाले करके कॉलेज के लिए निकल गया।

दो दिन तक आपी की प्रेज़ेंटेशन चलती रही.. जिसकी वजह से वो हमारे कमरे में नहीं आ सकीं और हमने आपस में भी कुछ नहीं किया।

तीसरे दिन कॉलेज से वापस आकर मैंने कुछ देर आराम किया और फिर शाम को चाय के वक़्त आपी ने भी सेक्स की हिद्दत से बोझिल आँखें लिए बता दिया कि वो आज रात को हमारे पास आएँगी।

दो रातें और 2 दिन गुज़र चुके थे कि आपी हमारे रूम में नहीं आई थीं। फरहान और मैं बहुत शिद्दत से कमरे में बैठे आपी का इन्तजार कर रहे थे।

हम दोनों ने अपने कपड़े पहले से ही उतार रखे थे। जब आपी कमरे में दाखिल हुईं.. तो हमारे खड़े लण्ड पर नज़र पड़ते ही उनकी आँखों में भी चमक पैदा हो गई।
आख़िर वो थीं तो हमारी ही बहन और अब उन्हें भी इस खेल की आदत हो गई थी।

आपी ने दरवाज़ा बंद करके बहुत बेताबी से अपनी क़मीज़ उतार कर फैंकी और ब्रा को खोल कर सोफे की तरफ उछाल दिया।

मैंने आपी को क़मीज़ उतारते देखा तो बिस्तर से उठ कर भागता हुआ आपी की तरफ गया और अपने बाज़ू उनकी कमर के गिर्द मज़बूती से कसते हुए आपी की गर्दन पर होंठ रख दिए।

आपी भी 2 दिन से जिस्म की आग को दबाए बैठी थीं, जैसे ही उनके सीने के उभार और निप्पल मेरे बालों भरे सीने से दबे.. तो उनकी आँखें खुद ही बंद हो गईं और आपी के मुँह से एक सिसकारी निकली और उन्होंने बेसाख्ता ही अपने बाज़ू मेरे जिस्म के गिर्द कस कर मुझे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भींचना शुरू कर दिया और कभी मेरी कमर को अपने हाथों से सहलाने लगीं।

कुछ देर मैं और आपी ऐसे ही खड़े अपने-अपने जिस्मों को महसूस करते रहे.. फिर मैंने अपने होंठ आपी की गर्दन से हटाए और आपी के होंठों को चाटते और चूमते हुए उन्हें तकरीबन घसीटता हुआ बिस्तर की तरफ चल दिया।

फरहान मुझे और आपी को इस हाल में देख कर एकदम बेखुद सा बिस्तर पर ही बैठा था। मैंने उससे 2 दिन पहले आपी के साथ हो सेक्स के बारे में कुछ नहीं बताया था।

आपी को लिए हुए ही मैं बिस्तर पर लेट गया.. आपी के अंदाज़ में आज बहुत गरमजोशी थी.. वो बहुत वाइल्ड अंदाज़ में मेरी कमर को सहला रही थीं और अपने सीने के उभारों को मेरे सीने पर रगड़ रही थीं।

आपी कभी मेरे होंठों को बहुत बेताबी से चूसने लगतीं.. तो कभी दाँतों में दबा कर खींच लेतीं।

कुछ देर ऐसे ही एक-दूसरे के होंठ और ज़ुबान चूसने और चाटने के बाद मैं थोड़ा नीचे हुआ और आपी की गर्दन को चाटने और छूने लगा।

आपी सीधे लेटी हुई थीं और उनके हाथ मेरी कमर पर थे.. मैं आपी के दिल की तेज-तेज धड़कन को साफ सुन और महसूस कर रहा था।

आपी की गर्दन से होता हुआ मैं नीचे उनके सीने के उभार तक पहुँचा और बारी-बारी दोनों निप्पलों को चाटने और चूसने लगा। आपी के उभार को मुँह में लिए लिए ही मैंने अपना हाथ नीचे किया और आपी की सलवार को नीचे उनके पाँव की तरफ सरकाना शुरू कर दिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

यह भी अच्छा था कि आपी की इस सलवार में अजारबंद के बजाए इलास्टिक थी.. जिसकी वजह से सलवार आसानी से नीचे सरक रही थी।

जब आपी को महसूस हुआ कि मैं उनकी सलवार उतार रहा हूँ.. तो उन्होंने अपने एक हाथ से फ़ौरन मेरे उस हाथ को पकड़ लिया जो उनकी सलवार पर था और आँखें बंद किए हुए ही बोलीं- नहीं सगीर प्लीज़ सलवार मत उतारो.. ऊपर-ऊपर से ही कर लो.. जो भी करना है।

मैंने अपना हाथ आपी की सलवार से हटा दिया और फरहान को देखा.. जो आपी की दायीं तरफ़ ही बैठा था। फरहान से नज़र मिलने पर उससे इशारा किया कि आपी के एक उभार को मुँह में ले ले।

फरहान तो बस तैयार ही बैठा था.. उसने मेरा इशारा समझा और एकदम से आपी के दायें निप्पल पर टूट पड़ा, उसने निप्पल मुँह में लिया और जंगलियों की तरह चूसना और हाथ से दबाना शुरू कर दिया।

आपी ने एक लम्हे को आँख खोली.. तो अपने दोनों सगे भाईयों के मुँह में अपना एक-एक उभार देख कर वो मचल सी गईं और अपने दोनों हाथ हम दोनों के सिर पर रख कर दबाने लगीं।
उनकी साँसें बहुत तेज हो गई थीं और वो मदहोश होने लगीं थीं।

मैंने दोबारा अपने हाथ को नीचे करके आपी की सलवार को थामा और दूसरे हाथ से आपी की कमर को थोड़ा सा ऊपर उठाते हुए एक झटके से उनकी सलवार को कूल्हों के नीचे से निकाल दिया।

आपी ने कुछ कहने के लिए मुँह खोला ही था कि मैंने अपने होंठ उनके होंठों से चिपका के उनका मुँह बंद कर दिया और दूसरे हाथ से आपी की सलवार को घुटनों से नीचे तक पहुँचा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दिया।

फरहान कभी आपी के उभार को चाटने लगता.. तो कभी उनके निप्पल को चूसने लगता। उसके अंदाज़ में बहुत जंगलीपन था.. और होना भी था क्योंकि ज़िंदगी में पहली बार वो दुनिया की हसीन-तरीन चीज़ को चूस रहा था।

मेरे मुँह हटाते ही फरहान ने आपी के दूसरे उभार को भी हाथ में पकड़ लिया था और झंझोड़ने लगा था।

मैंने आपी के दोनों होंठों को अपने होंठों से खोलते हुए सांस तेजी से अन्दर को खींची.. तो आपी मेरा इशारा समझ गईं और फ़ौरन अपनी ज़ुबान मेरे मुँह में दाखिल कर दी।

मैंने आपी की ज़ुबान को अपने दाँतों में पकड़ा और चूसने लगा.. आपी को ज़ुबान चुसवाने में बहुत मज़ा आता था और मैंने आपी के इसी मज़े का फ़ायदा उठाते हुए आपी की टाँगों के दरमियान अपना हाथ रख दिया।

मेरा हाथ जैसे ही आपी की चूत के दाने को टच हुआ तो वो मचल गईं.. लेकिन उनकी ज़ुबान को मैंने अपने दाँतों में दबा रखा था.. इसलिए ना ही कुछ बोल सकीं और ना ही ज्यादा हिल सकीं।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

मैंने कुछ देर तेजी से अपनी ऊँगलियों को आपी की चूत के दाने पर मसला.. तो उनकी हालत माही-बेआब बिन पानी की मछली.. की तरह हो गई और आपी ने तेजी से अपने पाँव की मदद से अपनी सलवार को पाँव तक पहुँचाया और घुटनों को मोड़ते हुए अपनी टाँगों को थोड़ा खोल लिया।

आपी की चूत बहुत गीली हो गई थी और मेरी उंगलियाँ खुद ब खुद उनकी चूत के दाने से

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

स्लिप होकर नीचे चूत के दरवाजे पर टच होने लगती थीं।

मैंने आपी की टाँगों को खुलता महसूस कर लिया था और उनकी चूत से बहते पानी ने भी मुझे यह समझा दिया था कि अब आपी का दिमाग उनकी चूत के कंट्रोल में आ गया है.. इसलिए मैंने उनकी ज़ुबान को अपने दाँतों से निकाल दिया।

आपी ने अपनी ज़ुबान को आज़ाद महसूस करके आँखें खोल दीं।

उनकी आँखें भी बहुत लाल हो रही थीं और नशे की सी हालत में थीं।

मैंने आपी को अपनी तरफ देखता पाकर आपी की चूत पर रखा अपना हाथ हटाया और आपी को दिखाते हुए अपनी एक-एक उंगली को चूसने लगा।

आपी ने मेरी इस हरकत पर आँखें फाड़ कर मुझे देखा.. तो मैंने मुस्कुराते हुए मज़े से डूबी आवाज़ में कहा- यम्मम्मी.. मेरी सोहनी बहन की चूत से निकले लव-जूस का ज़ायक़ा.. दुनिया के बेहतरीन मशरूब से ज्यादा लज़ीज़ है।

मेरी बात सुन कर आपी का चेहरा शदीद शर्म से लाल हो गया और उन्होंने मुस्कुरा कर अपनी आँखें बंद करते हुए चेहरा दूसरी तरफ कर लिया।

मैं भी मुस्कुरा दिया और नीचे सरकते हुए अपनी ज़ुबान आपी की नफ़ में दाखिल कर दी।

फरहान ने भी उसी वक़्त आपी के निप्पल को दाँतों में दबा कर ज़ोर से काटा और ऊपर को खींचने लगा।

फरहान के काटने की वजह से और मेरी ज़ुबान को अपनी नफ़ के अन्दर महसूस करते हुए आपी ने एक ज़ोरदार ‘आआआअहह..’ भरी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उस ‘आहह..’ में ‘मज़े की शिद्दत’ और ‘तक़लीफ़ का अहसास’ दोनों ही बहुत नुमाया हो रहे थे।

यह कहानी एक पाकिस्तानी लड़के सगीर की है, बहुत ही रूमानियत से भरे हुए वाकियात हैं.. आप अपने ख्यालात कहानी के आखिर में अवश्य लिखें।

कहानी जारी है।

avzooza@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Indian Porn Videos

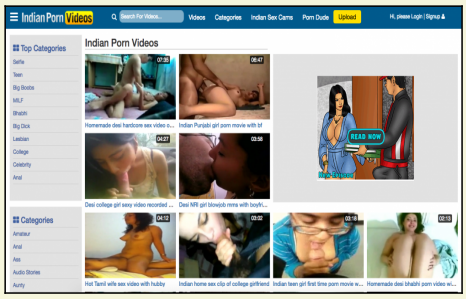

URL: www.indianpornvideos.com **Average traffic per day:** 600 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India Indian porn videos is India's biggest porn video site.

Aflam Neek

URL: www.aflamneek.com **Average traffic per day:** 450 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site in intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

Kambi Malayalam Kathakal

URL: www.kambimalayalamkathakal.com **Average traffic per day:** 31 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Stories **Target country:** India Daily updated hot erotic Malayalam stories.

Indian Gay Porn Videos

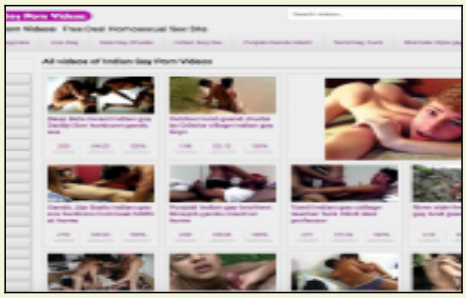

URL: www.indiangaypornvideos.com **Average traffic per day:** 10 000 GA sessions **Site language:** **Site type:** Video **Target country:** India Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun.

FSI Blog

URL: www.freesexyindians.com **Average traffic per day:** 60 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India Serving since early 2000's we are one of India's oldest and favorite porn site to browse tons of XXX Indian sex videos, photos and stories.

Bangla Choti Kahini

URL: www.banglachotikahinii.com **Average traffic per day:** GA sessions **Site language:** Bangla, Bengali **Site type:** Story **Target country:** India Bangla choti golpo for Bangla choti lovers.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire